हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 WWW.prakharpurvanchal.com Email Id: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 4, अंकः 334, पृष्ठ 4, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 7 मई, 2020 दिन गुरुवार गाजीपुर/वाराणसी

वाराणसी में फिर मिले 9 नये कोरोना पॉजिटिव एक ही परिवार के छह लोगों में मिला संक्रमण

प्रखर वाराणसी। वाराणसी में बुधवार को नौ और लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। इसमें छह लोग एक ही परिवार के हैं। अन्य तीन भी पहले से पॉजिटिव लोगों के परिवार वाले ही हैं। नए मामलों के साथ ही वाराणसी में कोरोना मरीजों की संख्या बढ़कर 77 हो गई है। राहत की बात यह है कि वाराणसी के आठ हॉटस्पॉट से लिये गए सभी सैंपल की रिपोर्ट निगेटिव आ गई है।

जिला प्रशासन के अनुसार चार मई को वाराणसी से 171 सैम्पल लखनऊ स्थित केजीएमयू भेजे गए थे।इसमें बुधवार की सुबह 162 लोगों की रिपोर्ट मिली। इसमें से नौ लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव और 153 की निगेटिव है। इसमें से अभी नौ लोगों की रिपोर्ट मिलनी बाकी है।

नौ नए पॉजिटिव लोगों में छह लोग जैतपुरा के बुनकर के परिवार वाले हैं। जैतपुरा के बुनकर ने तबीयत बिगड़ने पर जामिया अस्पताल में इलाज कराया था। वहां से उसे बीएचयू भेजा गया। जांच में रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर उसके परिवार वालों की सैंपलिंग हुई। बुधवार को आई रिपोर्ट में पता चला कि उसके दो भाई, दो भाइयों की पत्नियां, एक भतीजा और एक भतीजी पॉजिटिव हैं। इसी तरह मदनपुरा के एक पॉजिटिव मरीज का बेटा और बहू की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। नौवीं पॉजिटिव रिपोर्ट बीएचयू में भर्ती है लल्लापुरा की महिला की है।

जिलाधिकारी कौशल राज शर्मा के अनुसार कुछ दिनों से लगातार हॉटस्पॉट इलाकों में बड़े पैमाने पर सैंपलिंग की जा रही है। बुधवार को आई रिपोर्ट में हॉटस्पॉट क्षेत्र सूजाबाद, शिवाजीनगर, गोला चोलापुर, जेरगुलर, हरतीरथ, छोटी पियरी, काशीपुरा, सीरगोवर्धन से भेजे गए सभी रिपोर्ट निगेटिव आ गई है। वहीं, एल-2 फैसिलिटी के पैसिव क्वारंटाइन में रखे गए 51 मेडिकल स्टाफ की दोबारा हुई सैंपलिंग की रिपोर्ट भी निगेटिव आई है।

देश में कोरोना से अब तक 1,694 लोगों की मौत 50 हजार के करीब पहुंचा संक्रमितों का आंकड़ा

प्रखर नयी दिल्ली। देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के कारण 126 लोगों की मौत हो जाने के बाद इस बीमारी से मरने वालों की संख्या बढ़कर 1,694 हो गई है और संक्रमण के 2,958 नए मामले सामने के साथ ही संक्रमित हुए लोगों की संख्या बढ़कर 49,391 हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि संक्रमण से 13,160 मरीज ठीक हो गए हैं और एक रोगी देश से बाहर जा चुका है। कोविड-19 से संक्रमित 33,514 मरीजों का इलाज चल रहा है। मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अभी तक करीब 28.71 प्रतिशत मरीज ठीक हो चुके हैं। कुल मामलों में 111 विदेश नागरिक भी शामिल हैं। मंत्रालय ने बताया कि मंगलवार शाम से कुल 111 मरीजों की जान गई है। इनमें से गुजरात में 49, महाराष्ट्र में 34, राजस्थान में 12, पश्चिम बंगाल में सात, उत्तर प्रदेश में तीन, पंजाब एवं तमिलनाडु में दो-दो और कर्नाटक एवं हिमाचल प्रदेश में एक-एक मरीज की मौत हुई है। देश में कोविड-19 से हुई 1,694 मौतों में से सबसे ज्यादा 617 लोगों की जान महाराष्ट्र में गई है। इसके बाद गुजरात में 368, मध्य प्रदेश में 176, पश्चिम बंगाल में 140,राजस्थान में 89, दिल्ली में 64, उत्तर प्रदेश में 56 और आंध्र प्रदेश में 36 मरीजों ने दम तोड़ा है। तमिलनाडु में मृतक संख्या 33 तक पहुंच गई है, जबकि तेलंगाना में 29 लोगों की संक्रमण ने जान ली है। कर्नाटक में कोविड-19 के कारण मरने वालों की संख्या 29 हो गई है। पंजाब में कोरोना वायरस से हुई मौतों की संख्या 25 है, जम्मू कश्मीर में आठ और हरियाणा में छह मरीजों की जान इस संक्रमण ने ली है। केरल और बिहार में चार-चार रोगियों की मौत हुई है। मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, झारखंड में तीन लोगों की मौत हुई। मेघालय, चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश, ओडिशा, उत्तराखंड और असम में एक-एक मरीज की मौत हुई है। मंत्रालय के बुधवार सुबह के ताजा आंकड़ों के अनुसार देश में संक्रमण के सबसे अधिक मामले महाराष्ट्र में हैं, जहां 15,525 लोग कोविड-19 से संक्रमित हुए हैं। इसके बाद गुजरात में 6,245, दिल्ली में 5,104, तमिलनाडु में 4,058, राजस्थान में 3,158 मध्य प्रदेश में 3,049 और उत्तर प्रदेश में 2,880 लोग संक्रमित हुए हैं। आंध्र प्रदेश में कोरोना वायरस के मामले बढ़कर 1,717 हो गए हैं और पंजाब में 1,451 लोग संक्रमित हैं। पश्चिम बंगाल में 1,344 लोग संक्रमित पाए गए हैं। तेलंगाना में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 1,096, जम्मू-कश्मीर में 741, कर्नाटक में 671, हरियाणा में 548 और बिहार में 536 हो गई है। केरल में कोरोना वायरस के 502 मामले सामने आए हैं, जबकि ओडिशा में 175 मामले हैं। झारखंड में 125 और चंडीगढ़ में 111 लोग संक्रमित हुए हैं। उत्तराखंड में 61 मामले सामने आए हैं जबकि छत्तीसगढ़ में 59, असम में 43 और हिमाचल प्रदेश में 42 और लद्दाख में 41 मामले सामने आए हैं।

18 घंटे से जारी है आवंतीपोरा मुठभेड़, अब तक हिज्ब कमांडर नाइकू समेत 6 की मौत

प्रखर श्रीनगर। कश्मीर घाटी में आतंकवाद के खिलाफ बुधवार को सुरक्षा बलों की बड़ी कामयाबी मिली है। सुरक्षाबलों ने बुधवार को अवंतीपोरा में दो अलग-अलग जगहों पर हुई आतंकी मुठभेड़ में हिजबुल के टॉप कमांडर रियाज नाइकू समेत 6 आतंकियों को ढेर कर दिया है। हालांकि दोनों मुठभेड़ स्थल से सुरक्षाबलों ने अभी तक चार शवों को ही बरामद किया है। मुठभेड़ अभी जारी है। बेगीपोरा में अपने चाचा के घर मारे गए रियाज नाइकू पर 12 लाख रुपये का ईनाम था। आठ साल से सुरक्षा एजेंसियां रियाज नाइकू को तलाश रहीं थीं। अवंतीपोरा पुलिस स्टेंशन में उसके खिलाफ दस के करीब आपराधिक मामले दर्ज थे। एक ही दिन में हिज्ब कमांडर समेत छह आतंकवादियों को मारकर सुरक्षाबलों ने पिछले तीन दिनों में मुठभेड़ में शहीद होने वाले कर्नल व मेजर सहित विभिन्न सुरभाबलों के 8 जवानों की शहादत का भी बदला ले लिया है। उधर घाटी में लगातार बढ़ रही आतंकी घटनाओं को देखते हुए, फिलहाल मोबाइल इंटरनेट सेवा भी बंद कर दी गई है और पूरी घाटी में सुरक्षा व्यवस्था को भी कड़ा कर दिया है। सुरक्षाकर्मियों की तैनाती को भी बढ़ा दिया गया है। हिजबुल मुजाहिदीन कमांडर रियाज नाइकू का मारा जाना आतंकी संगठन के लिए बड़ा झटका है। नाइकू गत मंगलवार रात को अपने पैतृक गांव बेगीपोरा आया हुआ था, सुरक्षाबलों ने सूचना मिलने पर उसे घेर लिया। उसके साथ 2 से 3 और आतंकवादी भी थे। उन सभी के मारे जाने की सूचना है परंतु अभी तक पुलिस व सुरक्षाबलों ने न तो इसकी पुष्टि की है और न ही मुठभेड़ में मारे गए दो अन्य आतंकियों की पहचान बताइ गइ है। अगर स्थानीय सूत्रों की मानें तो मारे गए अन्य आतंकवादियों में हिज्ब डिप्टी कमांडर सैफुल्ला और जुनेद सहराइ का नाम सामने आ रहा है। वहीं अवंतीपोरा से 12 किलोमीटर दूर शारशाली में चल रही दूसरी मुठभेड़ में भी सुरक्षाबलों ने तीन आतंकवादियों को मार गिराया है। पुलिस को अनुसार नाइकू की मां का स्वास्थ्य पिछले कई दिनों से खराब चल रहा है। वह अपनी मां से मिलने के लिए ही मंगलवार को अपने गांव पेगीपोरा पहुंचा था। उसके साथ दो से तीन और आतंकी भी थे। विश्वसनीय सूत्रों ने मंगलवार रात को ही पुलिस को यह जानकारी दे दी। सूचना मिलते ही पुलिस की एसओजी, सेना की 55 आरआर ओर सीआरपीएफ 185 बटालियन के जवानों ने गांव पेगीपोरा की घेराबंदी कर ली थी। सुबह नाइकू को ढूंढने के लिए जब घर-घर की तलाशी लेना शुरू किया गया तो अपने आपको घिरता देख आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों पर गोलीबारी शुरू कर दी।

कुछ गाइडलाइंस के साथ जल्द हो सकती है सार्वजनिक परिवहन की शुरूआत : गडकरी

प्रखर नई दिल्ली। कोरोना वायरस संकट के बीच सरकार ने सार्वजनिक परिवहन को जल्द शुरू करने के संकेत दिए। सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने ट्रांसपोर्टरों को आश्वासन देते हुए कहा कि 24 मार्च को पहली बार लॉकडाउन की घोषणा के बाद से बंद पड़े पब्लिक ट्रांसपोर्ट का ऑपरेशन जल्द शुरू किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जनता के बीच विश्वास पैदा करने के लिए परिवहन एवं राजमार्गों को खोलना जनता के बीच विश्वास पैदा करने के लिए एक लंबा रास्ता तय करना पड़ेगा। इसके साथ ही, गडकरी ने कहा कि कुछ गाइडलाइंस के साथ जल्द सार्वजनिक परिवहन की शुरूआत हो जाएगी। नितिन गडकरी बस एंड कार ऑपरेटर्स ऑफ इंडिया के सदस्यों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संबोधित कर रहे थे। हालांकि, उन्होंने बस और कार चलाते वक्त हाथ धोने, सैनिटिजिंग, फेस मास्क जैसी सुरक्षा उपायों को लेकर आगाह किया। कोरोना वायरस महामारी के खतरे को देखते हुए राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन को बढ़ाकर 17 मई तक किया गया है। इस दौरान रेलवे और फ्लाइट्स सर्विस को भी इजाजत नहीं दी गई है। हालांकि, फंसे हुए प्रवासी मजदूरों को निकालने के लिए रेलवे ने करीब 100 से ज्यादा श्रमित स्पेशल ट्रेनें चलाई हैं। गडकरी ने यह भरोसा जताया कि देश और उद्योग दोनों ही एक साथ दो लड़ाई जीतेंगे, पहला कोरोना के खिलाफ और दूसरा आर्थिक मंदी के खिलाफ। कॉन्फेडरेशन के सदस्यों की तरफ से सार्वजनिक परिवहन की स्थिति में सुधार के लिए कुछ सुझाव दिए गए हैं, इनमें ब्याज के भुगतान में छूट में बढ़ोत्तरी, सार्वजनिक परिवहन की शुरूआत करने, राज्य टैक्स को टालने और इंश्योरेंस पॉलिसी की वैधता को बढ़ाने जैसी चीजें शामिल हैं।

बीजेपी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को लिखा खत, पश्चिम बंगाल के कोविड-19 डेटा पर उठाए सवाल

प्रखर कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार की तरफ से जारी स्वास्थ्य बुलेटिन को बीजेपी ने 'विसंगतपूर्ण' करार दिया है। बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को पत्र लिखते हुए कहा कि राज्य कोविड-19 केसों को लेकर जिस तरह के आंकड़े दे रही है उससे वह चिंतित है। पत्र में कहा गया, ... 4 मई को जो बुलेटिन जारी किया गया था उसमें आंकड़ों को लेकर कुछ विसंगतियां थीं। मैंने उन्हें सूचीबद्ध किया और यह उम्मीद करते हैं कि आपका प्रशासन उच्च स्तर पर पारदर्शिता रखते हुए सूचना मुहैया कराएगा ताकि लोग कोविड-19 के खिलाफ चुनौतियों में राज्य सरकार की तरफ से तैयारियों का आकलन कर सकें। उन्होंने यह भी कहा, "इस बारे में कोई सूचना नहीं है कि कितने लोग टेस्ट से वंचित रह गए और उन्हें गुप्त तरीके से दफना दिया गया या फिर अंतिम संस्कार कर दिया गया।" पत्र में कहा गया, ऐसे आंकड़े नहीं होने के चलते महामारी का विश्लेषण मुश्किल है साथ ही ऐसे परिवार जिन्हें सरकार की तरफ से घोषित किए गए मुआवजा मिलना था वे भी नहीं मिल पाएगा गौरतलब है कि राज्य की तरफ से कोरोना महामारी की चुनौतियों से निपटने के तरीके पर बीजीप और राज्य की तृणमूल कांग्रेस सरकार पर आरोप-प्रत्यारोप होता रहा है। मंगलवार को जारी पत्र में कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि अलीपुर जिले में दिखाया गया कि कोई केस नहीं है जबकि मुख्यधारा की मीडिया रिपोर्ट्स में ये दिखाया गया कि जिले में कम से कम चार केस थे। पत्र में आगे कहा गया, 4 मई के पश्चिम बंगाल सरकार के स्वास्थ्य बुलेटिन में पश्चिम बर्धमान जिले में कोविड-19 से एक भी मौत नहीं दिखाया गया था जबकि मुख्य सचिव ने 21 अप्रैल को खुद प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जिले में एक मौत की बात स्वीकार की थी।

यूपी में महंगी हुई शराब, पेट्रोल और डीजल की कीमत में भी बढ़ोतरी

प्रखर लखनऊ। कोरोना वायरस के कारण लागू लॉकडाउन के चलते उत्तर प्रदेश सरकार की कमाई को तगड़ा झटका लगा है। ऐसे में बेपटरी हुई अर्थव्यवस्था को सुधारने के लिए योगी सरकार ने कई अहम फैसले लिये हैं। इसी क्रम में बुधवार को यूपी कैबिनेट की बैठक में पेट्रोल पर दो रुपये प्रति लीटर और डीजल पर एक रुपये प्रति लीटर वैट बढ़ाने को मंजूरी दे दी गई। इसके अलावा देशी शराब की कीमत भी पांच रुपये बढ़ा दी गई है। अंग्रेजी शराब की कीमत 20 से 400 रुपये तक बढ़ा दी गई है। आज रात 12 बजे से बढ़ी हुई कीमतें लागू हो जाएंगी। बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में उत्तर प्रदेश लोक स्वास्थ्य एवं महामारी रोग नियंत्रण अध्यादेश 2020 को मंजूरी देने के साथ 10 महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। कोविड 19 के कारण जारी लॉकडाउन से पटरी से उतरी अर्थव्यवस्था में फिर से जान फूंकने के लिए यूपी कैबिनेट ने पेट्रोल व डीजल पर वैट बढ़ा दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में पेट्रोल व डीजल पर वैट बढ़ाने को मंजूरी दे दी गई। इसके अलावा शराब की कीमत भी बढ़ा दी गई है। बैठक के बाद

कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना ने मीडिया से बातचीत में कहा कि लॉकडाउन के कारण हमारा टैक्स कलेक्शन बहुत गिरा है। हमारी आर्थिक स्थिति इस महीने कमजोर रही है। इसे ध्यान में रखते हुए ये फैसला लिया गया है। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि 71.91 रुपये प्रति लीटर पेट्रोल की कीमत है। 2 रुपये महंगा होने के बाद इसकी कीमत 73.91 रुपये प्रति लीटर हो जाएगी। डीजल की कीमत 62.85 रुपये प्रति लीटर से बढ़कर 63.86 रुपये प्रति लीटर हो जाएगी। उन्होने कहा कि हमारे लिए संसाधन जुटाना अति आवश्यक था। हमारी मांग 12141 करोड़ रुपये थी, जिसके सपेक्ष 1178 करोड़ रुपये हुआ। मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि यूपी सरकार ने अपने संसाधनों को बढ़ाने के लिए यह दाम बढ़ाएं हैं। इन बढ़ोतरी से 2070 करोड़ रुपये का अतिरिक्त रेवेन्यू यूपी सरकार को प्राप्त होगा। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि लॉकडाउन में शराब बंदी के कारण अवैध शराब बिक्री शुरू हो गई। इस दौरान पुलिस ने 8820 लीटर अवैध शराब को पकड़ा है। कुछ 3627 लोग गिरफ्तार किया गया। सैनिटाइजर पीने से 3 लोगों की मौत भी हुई। शराब न मिलने पर इन लोगों ने सैनिटाइजर पी लिया था। सुरेश खन्ना ने बताया कि सरकार ने निर्णय लिया है कि वर्तमान की आबकारी नीति में भी अतिरिक्त बढ़ोतरी की जाए। देशी शराब पर 5 रुपये प्रति बोतल टैक्स बढ़ाया गया है। यानी 65 रुपये की जगह अब 70 रुपये में मिलेगी। 75 वाली 80 में मिलेगी।

सम्पादकीय

चिंता का आंकड़ा

केंद्र और राज्य सरकारों ने पूर्णबंदी में सीमित ढील देकर आमजन को राहत पहुंचाने की पहल भले की हो, लेकिन राजधानी दिल्ली और देश के दूसरे हिस्सों में कोरोना संक्रमितों के मामले जिस तेजी से बढ़ रहे हैं, वे हैरान करने वाले हैं। देश में पिछले पांच दिनों में दस हजार से ज्यादा लोगों का कोरोना संक्रमित पाया जाना इस बात की पुष्टि करता है कि बीमारी फैलने की रफ्तार उम्मीद के मुताबिक कम नहीं पड़ रही है। ऐसे में इस बात से कतई इंकार नहीं किया जा सकता कि आने वाले दिनों में यह आंकड़ा और तेजी से बढ़ सकता है। हालांकि सरकार की ओर से यह दावा किया जा रहा है कि भारत में कोरोना से मृत्युदर दुनिया में अब तक सबसे कम है, संक्रमित लोगों की संख्या को लेकर भी भारत की स्थिति बहुत ज्यादा खराब नहीं है। लेकिन यह सच्चाई भी छिपी नहीं है कि भारत में कोरोना की जांच दर सबसे कम है। ऐसे में महामारी के वास्तविक आकलन के बारे में निश्चित तौर पर कुछ भी कह पाना आसान नहीं है। दिल्ली, महाराष्ट्र, गुजरात, पंजाब, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश आदि ऐसे राज्य हैं जहां हालात काबू में होने के बजाय बिगड़ते जा रहे हैं। आंकड़ों पर न जाया जाए, तो हकीकत यह है कि इन राज्यों में कोरोना संक्रमण के नए मामलों में लगातार तेजी से सरकारों के हाथ-पैर फूल रहे हैं। सबसे बड़ी मुश्किल जांच को लेकर सामने आ रही है। व्यापक स्तर पर जांच हो तो इसमें कोई संदेह नहीं कि इन राज्यों में संक्रमितों की संख्या अनुमान से कहीं ज्यादा निकलेगी। गुजरात में रविवार को यानी एक दिन में ही तीन सौ चौहत्तर नए मामले सामने आए और सर्वाधिक चिंता की बात यह है कि इसमें से दो सौ चौहत्तर मामले अकेले अमदाबाद में मिले। गुजरात में कोरोना संक्रमण के रविवार तक पांच हजार चार सौ अट्ठाईस मामले सामने आए थे, जिसमें से तीन हजार आठ सौ सत्रह मामले अमदाबाद के थे। इसी तरह दिल्ली में एक दिन में चार सौ सत्ताईस नए मामलों का मिलना हालात की गंभीरता को बताने के लिए काफी है। पंजाब, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और तमिलनाडु में कोरोना संक्रमितों के आंकड़े कम चौंकाने वाले नहीं हैं। हालात की गंभीरता को देखते हुए ही देश के कोरोना प्रभावित हिस्सों को तीन हिस्सों में बांटा गया है और उसी के अनुरूप सीमित दायरे में सशर्त छूट देने का फैसला हुआ। लेकिन सोमवार को पहले ही दिन पूर्णबंदी की इस छूट में जिस तरह की लापरवाही देखने को मिली, उसने तो चिंता और बढ़ दी। पहले ही दिन देश के ज्यादातर शहरों में शराब की दुकानों के बाहर जिस तरह से भीड़ उमड़ी और सुरक्षित दूरी व मास्क पहनने जैसे अत्यावश्यक नियम की धज्जियां उड़ाई गईं, उससे पुलिस और स्थानीय प्रशासन सकते में आ गया और कई जगह लाठीचार्ज तक करना पड़ गया। ऐसे में तो संक्रमण फैलने का खतरा कई गुना बढ़ जाएगा। यह ठीक है कि अब पूर्णबंदी से बाहर भी निकलना है, लेकिन लग रहा है कि इस पर अमल के तरीके क्या हों, इसे लेकर सरकारों के पास पुलिस तंत्र के अलावा कोई विकल्प नहीं है। लाल, नारंगी और हरा क्षेत्र चिह्नित करने को लेकर भी अभी एकराय नहीं दिख रही। लेकिन अगर ढील के नियमों की अनदेखी होती रही तो महामारी को फैलने से कोई नहीं रोक पाएगा।

व्यंग्य

बच्चा बच्चा बोले !

रहा खून खौल ।
सुन लो पाकिस्तान ।।
बच्चा बच्चा बोले ।
हर लो इनके प्राण ।।
नजदीक वो घड़ी ।
अंतिम जब परिणाम ।।
कायराना हरकत ।
गुस्से में आवाम ।।
जवानों की शहादत ।
ना होगी बेकार ।।
भूलेंगे ना हम ।
पीठ पर ये वार ।।
सबक है सिखाना ।
सही समय का इंतजार ।।
बिछ जाएगी जल्द ।
लाशों की कतार ।।

-कृष्णेन्द्र राय

कैसे बनेगा निवेशकों में भरोसा

सतीश सिंह

म्युचुअल फंड कारोबार की शीर्ष दस में एक अग्रणी कंपनी फ्रैंकलिन टेंपलटन ने पिछले महीने अपनी छह डेट फंड योजनाओं को जिस तरह अचानक बंद कर दिया, उससे निवेशकों की नींद उड़ गई। इससे एक बार फिर यह सवाल खड़ा हो गया कि निवेशकों की पैसे की सुरक्षा का क्या होगा। हालांकि कंपनी ने सभी निवेशकों को पूरा पैसा लौटाने का भरोसा दिया है, लेकिन निवेशकों के मन में बैठा डर कैसे निकलेगा, यह कहीं ज्यादा बड़ी चिंता का विषय है। फ्रैंकलिन टेंपलटन ने फ्रैंकलिन इंडिया लो ड्यूरेशन फंड, फ्रैंकलिन इंडिया डायनामिक एक्रुअल फंड, फ्रैंकलिन इंडिया क्रेडिट रिस्क फंड, फ्रैंकलिन इंडिया शॉर्ट टर्म इनकम प्लान, फ्रैंकलिन इंडिया अल्ट्रा शॉर्ट बॉन्ड फंड और फ्रैंकलिन इंडिया इनकम ऑपर्चुनिटीज फंड को बंद कर दिया।

मौजूदा समय में इस म्युचुअल फंड कंपनी की बाजार में निवेश की कुल चालीस योजनाएं चल रही हैं, जिसका कुल असेट अंडर मैनेजमेंट यानी एयूएम 11।6 लाख करोड़ रुपए का है। इसमें बंद की गई योजनाओं की रकम 25,856 करोड़ रुपए थी। कंपनी की मानें तो उसने कोई चूक नहीं की है और न ही निवेशकों का पैसा डूबा है। ऐसा कदम नगदी संकट के चलते उठाना पड़ा है। पर निवेशक अब अपने निवेश की निकासी नहीं कर सकेंगे। इतना ही नहीं, एसआइपी, एसडब्ल्यूपी और एसटीपी के जरिए भी निवेशक कोई लेन-देन नहीं कर सकेंगे। निवेशकों के भय की मूल समस्या यहीं से शुरू होती है। एक अनुमान के अनुसार डेट फंड योजनाओं को बंद करने से तीन लाख दस हजार आम निवेशक और लगभग दस हजार कॉरपोरेट निवेशक प्रभावित होंगे। फ्रैंकलिन टेंपलटन देश के म्युचुअल फंड उद्योग की कुल चवालीस कंपनियों में से आठवें स्थान पर है। कंपनी के अनुसार बाजार में छाई अव्यवस्था और नगदी के बढ़ते संकट के कारण उसने इन योजनाओं को बंद कर दिया। अभी समस्या तब खड़ी हुई कि पूर्णबंदी के कारण कारपोरेट निवेशकों और अधिक आय वाले निवेशकों ने अपनी नगदी की जरूरतों को पूरा करने के लिए लगातार अपने म्युचुअल फंड के यूनिटों को भुनाना सुरू कर दिया। लेकिन नगदी नहीं होने के कारण कंपनी निवेशकों का निवेश लौटाने में असमर्थ है।

इसके अलावा, कम अवधि वाले कई डेट फंड जो परिपक्व हो गए थे, उनके

निवेशक निकासी के लिए कंपनी पर दबाव बना रहे थे। जैसा कि कहा जा रहा है कि फ्रैंकलिन टेंपलटन को ये योजनाएं इसलिए भी बंद करनी पड़ीं क्योंकि खराब रेटिंग वाली कंपनियों और प्रतिभूतियों में निवेश हो रहा था। आज ऐसी कंपनियां दिवालिया होने के कगार पर हैं और उनके बांडों की रेटिंग को कूड़ा-करकट घोषित कर दिया गया है। फ्रैंकलिन टेंपलटन ने इस साल 31 मार्च तक 62.8 फीसद असेट्स, जो कम अवधि वाले थे, को ए रेटिंग वाले बांडों में निवेश किया था और 45.76 फीसद का निवेश एए वाले रेटिंग बांडों में किया था। बंद की गई डेट फंड योजनाओं का निवेश वोडाफोन आइडिया और यस बैंक द्वारा जारी बांडों में भी किया गया था। चूंकि, इन दोनों कंपनियों की आर्थिक हालात पहले से ही खस्ताहाल है, इसलिए इन कंपनियों के बांडों में किए गए निवेश के डूबने की संभावना बढ़ गई।

जो हो, फ्रैंकलिन टेंपलटन की इन योजनाओं को बंद होने से लगभग अट्ठाईस लाख करोड़ रुपए के म्युचुअल फंड उद्योग पर से निवेशकों के भरोसे को झटका लगा है। पूर्णबंदी के कारण म्युचुअल फंड की कई योजनाओं के निवेशक पहले से नुकसान में हैं और अब फ्रैंकलिन टेंपलटन के इस कदम से और बड़ा झटका लगा है। ऐसे में समस्या पूरे म्युचुअल फंड उद्योग के सामने खड़ी हो गई है कि कैसे दूसरी कंपनियों के निवेशकों को नगदी निकासी से रोका जाए। ज्यादातर निवेशकों को लग रहा है कि कहीं उनके निवेश का हाल भी इसी तरह न हो जाए। इसलिए म्युचुअल फंड कंपनियों के सामने सबसे बडजी चुनौती अपने निवेशकों के भरोसे को बनाए रखने की है। इस घटना का असर यह हुआ है कि निवेशक घबराहट में अच्छी रेटिंग वाले म्युचुअल फंड बांड को भी बेचने में लग गए हैं और इसका नतीजा यह होगा कि आने वाले दिनों में बाजार में नगदी की समस्या गहरा सकती है।

ऐसा नहीं है कि इस तरह का संकट कोई पहली बार आया है। पहले भी गलत निवेश की वजह से म्युचुअल फंड उद्योग मुश्किलों में फंस चुका है। फ्रैंकलिन टेंपलटन के ताजा निर्णय के पीछे भी यह एक बहुत बड़ी वजह है। इस कंपनी ने कम रेटिंग वाली कंपनियों और प्रतिभूतियों में निवेश कर रखा है, जहां पैसा डूबने का खतरा है। लिहाजा, म्युचुअल फंड कंपनियों को कम रेटिंग वाली प्रतिभूतियों में निवेश करने से परहेज करना चाहिए। गौरतलब है कि ह्लएएएह्व रेटिंग वाली प्रतिभूतियों में निवेश करना सुरक्षित माना जाता है। इसके अलावा, ज्यादातर डेट फंड योजनाओं द्वारा किए जाने वाले निवेश की श्रेणियों में जोखिम को परिभाषित नहीं किया जाता है, जिससे निवेश के डूबने की संभावना बनी रहती है।

कुछ फंड जैसे, क्रेडिट रिस्क फंड और कॉरपोरेट बांड फंड क्रेडिट एक्सपोजर के जोखिम को पारिभाषित करते हैं। कॉरपोरेट बांड फंड के मामले में अस्सी फीसद परिसंपत्तियां उच्च रेटिंग वाली प्रतिभूतियों में निवेश की जानी चाहिए। निवेश को कम एवं ज्यादा जोखिम में विभाजित करने से निवेश के सुरक्षित रहने की संभावना बढती है। इस आलोक में नियामकीय संस्थाओं को भी चाहिए कि वे जोखिम को कम करने की दिशा में काम करें और निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए समय-समय पर जरूरी कदम उठाती रहें। इस तरह के संकट से बचने के लिए निवेशकों को भी सतर्क रहने की जरूरत है। म्युचुअल फंड में निवेश करने से पहले निवेशकों को चाहिए कि वे फंड का चुनाव सही तरीके से करें। डेट फंड में निवेश करने वाले निवेशकों को चाहिए कि वे देख लें कि डेट फंड के प्रबंधक किन रेटिंग वाली प्रतिभूतियों में निवेश कर रहे हैं। अगर वे खुद बारीकियों को समझने में असमर्थ हों तो किसी वित्तीय सलाहकार से सलाह लेनी चाहिए। अच्छी रेटिंग वाली डेट फंड के डूबने की संभावना बहुत ही न्यून होती है। हाँ, इक्विटी फंड में जोखिम ज्यादा रहता है। इसलिए इस फंड में निवेश करने से पहले वित्तीय सलाहकार की मदद ले लेनी चाहिए। निवेशकों को खुद भी इनकी समझ रखनी चाहिए और नियमित रूप से वित्तीय हलचलों पर पैनी निगाह रखनी चाहिए। मौजूदा संकट के कारण डेट फंड योजनाओं के जोखिम को लेकर निवेशकों के मन में नकारात्मक धारणा बन गई है। इसका असर दूसरी म्युचुअल फंड योजनाओं से निकासी के रूप में देखने को मिल सकता है। अगर ऐसा हुआ तो नगदी की समस्या दूर करने को लेकर सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक के लिए मुश्किलें खड़ी हो जाएंगी। हालांकि केंद्रीय बैंक ने म्युचुअल फंड उद्योग को राहत देने के लिए पचास हजार करोड़ रुपए की नगदी सुविधा उपलब्ध कराई है, जिसका संचालन बैंकों के माध्यम से होगा। वित्तीय क्षेत्र में गहराते संकट से भारतीय रिजर्व बैंक भी डरा हुआ है और वह बाजार में सीधे नगदी डालने से बच रहा है। वित्त वर्ष 2008-09 और वर्ष 2013 में वित्तीय अस्थिरता के कारण बाजार में खलबली मची थी, लेकिन इस बार जोखिम को सही तरह से आकलित नहीं कर पाने के कारण निवेशकों को नुकसान हुआ है। इसलिए आने वाले दिनों में म्युचुअल फंड योजनाओं से जोखिम को कम करने के लिए सरकार और केंद्रीय बैंक को सतत प्रयास करना होगा, तभी निवेशकों के हितों की रक्षा संभव हो पाएगी।

कल्पना ही सब कुछ है

पी. चिदंबरम

कोविड-19 और इसके सामाजिक तथा आर्थिक परिणामों के खिलाफ जंग का नेतृत्व केंद्र और राज्य सरकारें कर रही हैं। हम लोग महज अनुयायी हैं। लेकिन सरकारों के पीछे चलने वालों के नाते हम कई कल्पनाएं कर सकते हैं। पहली कल्पना यह करें कि इस विषाणु को बिना टीके के हराया जा सकता है। इससे हम यह कल्पना कर सकेंगे कि पूर्णबंदी इलाज है और जब तक यह पूरा नहीं हो जाता, तब तक पूर्णबंदी ही विषाणु को फैलने से रोकेगी। हकीकत यह है कि पूर्णबंदी कोई इलाज नहीं है, न ही यह विषाणु को फैलने से रोकती है। पूर्णबंदी एक अस्थायी विराम है, यह विषाणु के फैलाव को धीमा कर सकती है और यह हमें चिकित्सा और स्वास्थ्य ढांचे को खड़ा करने, जागरूकता फैलाने और जब सबसे ज्यादा लोग संक्रमित होंगे और उन्हें अस्पताल में दाखिल कराने की आवश्यकता होगी, तब इन कामों के यह हमें कीमती वक्त दिला देगी। जिन लोगों ने पूर्णबंदी की मांग की थी, वे अब इसकी असलियत समझ गए हैं। तीन मई को इन कामों को करने के लिए चालीस दिन मिल चुके थे, सवाल है कि सरकारों को क्या और वक्त की जरूरत है? दूसरी कल्पना यह कि जिन प्रवासी कामगारों को उनके घर जाने से रोका दिया गया था, वे अपने आश्रय स्थलों, एकांतवास के ठिकानों या शिविरों में रहने की स्थितियों से खुश और मिलने वाले खाने से संतुष्ट होंगे। आश्रय स्थलों के निरीक्षण के बाद दिल्ली पुलिस ने जो कुछ पाया, वह हकीकत है और 28 अप्रैल, 2020 के इंडियन एक्सप्रेस में छपी है। ह्यह्यपंखे काम नहीं कर रहे हैं और पावर बैकअप की सुविधा नहीं है, शायद ही शौचालयों की सफाई की जाती हो, ज्यादातर प्रवासी जाना चाहते हैं, क्योंकि उनके परिवार रह नहीं सकते, नागरिक सुरक्षा कर्मचारियों का बेहूदा बर्ताव, घटिया किस्म का खाना, हाथ धोने के लिए साबुन या सैनेटाइजर तक नहीं, शौचालयों में बदबू, पानी की आपूर्ति सिर्फ सुबह सात बजे से ग्यारह बजे तक, नहाने के लिए सिर्फ एक साबुन और कपड़े धोने के लिए कोई डिटर्जेंट नहीं, मच्छर काट रहे हैं सो अलग।ह्लह्ल अगर आश्रय गृहों की स्थितियां ये हैं (जहां रहना स्वैच्छिक है) तो इसकी कल्पना मत कीजिए कि एकांतवास और शिविरों में क्या हाल होगा, जहां जबर्दस्ती रखा जा रहा है।

तीसरा, कल्पना कीजिए कि प्रवासी मजदूर (उदाहरण के लिए मुंबई या सूरत में) बिना काम-धंधे के, बिना पैसे के और परिवार को बिना किसी तरह की मदद भेजे छह से दस लोगों के साथ अपने एक किराए के कमरे में खुश हैं। वास्तविकता यह है कि बड़ी संख्या में ऐसे मजदूरों को सरकारों से कोई मदद नहीं मिली है, न नगदी हस्तांतरण, न राशन। उनकी इच्छा सिर्फ घर लौट जाने की है। उत्तर प्रदेश और कुछ दूसरे राज्यों ने समझदारी दिखाई और अपने राज्यों के मजदूरों को वापस लाने के लिए बसें भेजीं, बिहार ने इंकार कर दिया गया और केंद्र सरकार ने 29 अप्रैल तक कुछ नहीं किया था। अब बिहार भी बिना कहीं रुके ट्रेन चलाने की मांग करने वालों में शामिल हो गया है।

चौथा, कल्पना कीजिए कि किसी की नौकरी नहीं गई है और जब तक कामगार अपने काम पर लौट नहीं आएंगे, तब तक उनकी नौकरी बनी रहेगी। इसकी असलियत सीएमआइई ने 27 अप्रैल को अपनी रिपोर्ट में बताई है कि बेरोजगारी की दर 21.1 फीसद पर पहुंच गई है, वह भी तब जब श्रम बल भागीदारी में 35.4 फीसद की गिरावट आ गई थी। वास्तविकता यह है कि जब कोई एमएसएमई एक बार बंद होती है, तो उसे दोबारा चालू कर पाना आसान नहीं होता। उस ईकाई में काम करने वाले कुछ कामगार जो दो से दस हो सकते हैं, कमाने के लिए दूसरा रास्ता तलाश लेते हैं या पलायन कर जाते हैं और अगर वे लौटना भी चाहें तो उनके बकाए वेतन का भुगतान करना होगा।

उस ईकाई को पैसा जुटाना होगा और दूसरों को चुकाना होगा और लंबे समय की बंदी के बाद यह दोनों ही आसान नहीं है। ऐसे में ईकाई की कार्यशील पूंजी खत्म हो जाएगी, बिना क्रेडिट गारंटी के उसे कोई बैंक या एनबीएफसी कर्ज भी नहीं देगी। आपूर्ति का चक्र टूट चुका होगा। अगर निमार्ता दुबारा उत्पादन चालू नहीं कर सके तो फिर दुबारा ईकाई को खोलने का मतलब क्या रह जाएगा? जिसने किसी कारोबार को चालू करने के लिए अपना पैसा कभी लगाया ही न हो, वह कारोबार को चलाने या इसे बंद करने के दर्द को कभी समझ ही नहीं पाएगा।

पांचवा, कल्पना कीजिए कि केंद्र सरकार ने 25 मार्च को जो वादा किया था कि वह कारोबारों खासतौर से एमएसएमई की मदद के लिए जल्दी ही वित्तीय कार्य योजना-2 लेकर आएगी, उसे पूरा करेगी। हकीकत यह है कि यह लिखने तक इस बारे में कुछ भी नहीं किया गया है। हमें नहीं मालूम कि वित्तीय कार्यबल ने क्या कोई सिफारिश की है। ह्यबड़ा और निर्भीकह्ल सोचने के लिए बनाई गई नई समिति अभी तक विचार कर रही है। असलियत यह है कि बैंकों के पास पैसा भरा पड़ा है, लेकिन वे एनबीएफसी या एसएमई को देने के बजाय उसे रिजर्व बैंक के पास रखना बेहतर समझते हैं। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के पास नगदी संकट तेजी से बढ़ रहा है और वे उधार दे नहीं सकती।

छठा, मान लीजिए कि बड़े उद्योग खुद को किसी तरह बचा ले जाएंगे और पहले की तरह फलते-फूलते रहेंगे। वास्तविकता यह है कि बड़े उद्योगों को लग गया है कि पुराना सामान्य अब हमेशा के लिए विदा हो गया है और इसलिए वे नए सामान्य की तलाश में हैं। वे नगदी संरक्षण, पूंजीगत खर्च में कटौती, क्षमता का अधिकतम उपयोग, कार्यबल में कटौती, कर्जमुक्त होने और घर से काम करने को बढ़ावा देने जैसे कदम उठा रही हैं। बड़े उद्योग सिमट भी जाएंगे और इसका परिणाम यह होगा कि प्रतिस्पर्धा और कम हो जाएगी (जैसे दूरसंचार में)।

सातवां, मान लीजिए कि पूर्णबंदी हटने के बाद अर्थव्यवस्था पुरजोर तरीके से वापसी कर जाएगी। वास्तविकता यह है कि नोटबंदी की भारी गलती के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था उबर नहीं पाई, आधे-अधूरे ढंग से लागू किए गए जीएसटी के बाद अर्थव्यवस्था सुधर नहीं पाई और पूर्णबंदी खत्म हो जाने के बाद भी इसमें आसानी से सुधार नहीं आने वाला। सुधार के लिए कड़ी मेहनत, योजनाओं, बहुत ही सावधानी के साथ अमल, पैसे, खुले बाजार, जोरदार गठजोड़ और अंतरराष्ट्रीय सहयोग की जरूरत होगी।

कुशल कामगारों की बदौलत पूर्वी राज्यों में निवेश के अवसर

आर.के.सिन्हा

कोरोना वायरस के बहाने देश दीन-हीन प्रवासी मजदूरों की दर्दनाक हालात से रू ब रू हो गया है। कोराना वायरस की चेन को ध्वस्त करने के लिए शुरू किए गए देशव्यापी लॉकडाउन के बाद पैदा हुए हालातों से समझ आ गया कि हमारे यहां बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, उडीसा, छतीसगढ़ और असम आदि राज्यों के मजदूरों को लेकर कई राज्य सरकारों और नौकरशाही का रवैया कितना निर्ममतापूर्ण रहा है।

गुजरात में भूखे-प्यासे प्रवासी मजदूरों पर लाठियां बरसाई जाती हैं। पंजाब, महाराष्ट्र और तमिलनाडू में भी इन्हें इंसान तक नहीं समझा गया। अब कहीं जाकर इन्हें घर भेजने की व्यवस्था शुरू हुई है। यह पहले भी हो सकती थी । इसके कार्यान्वयन में देरी ने सशक्त मजदूरों का दयनीय और मजबूर दृश्य देश के सामने प्रस्तुत किया है जिससे बचा जा एकता था । इसके लिए केंद्र सरकार और राज्य सरकारों की लचर आपदा प्रबंधन, लापरवाह कार्य योजना से मेरी मोदी सरकार की नेक छवि बदनाम हुई है । ये मजबूर मजदूर लंबे समय तक अपने घरों से हजारों मील दूर दर-दर की ठोकरें खाते रहे थे। मेरे फेसबुक पर हजारों प्रवासी मजदूरों ने गुहार लगाई । इनसे वाहियत किस्म की अपेक्षाएं की जा रही हैं। जरा सोचिए कि जो अधिकांश प्रवासी मजदूर हिन्दी या क्षेत्रीय भाषाओं में भी अपना नाम नहीं लिख सकते उन्हें स्मार्टफोन पर घर जाने के लिये फॉर्म भरने के लिए कहा गया। वह भी अंग्रेजी में। किसी भी राज्य का हेल्पलाइन नंबर और नोडल अधिकारियों का नंबर तो बस खानापूरी के लिये ही था । खुद कोशिश करके फार्म डाउनलोड कर-के भरकर देख लीजिए। आपको जन्नत की हकीकत समझ आ जाएगी। कोई व्यवस्था इतनी अमानवीय कैसे हो सकती है? क्या ये नौकरशाह एक गरीब अर्ध शिक्षित मजदूर की क्षमता या मनोदशा का आकलन करने में असमर्थ थे । यह ठीक है कि अब ज्यादातर मजदूर स्मार्ट फोन भी रखते हैं । वाट्सअप भी करते हैं, यूट्यूब पर फिल्में भी देखते हैं । लेकिन, एक करोड़ मजदूरों में लाख दो लाख को छोड़कर वे इन्टरनेट और डाटा का काम तो नहीं जानते न? यदि वे इतना ही जानते होते तो मजदूरी करने को मजबूर क्यों होते? नौकरशाहों ने मजदूरों के कल्याण की जो कागजी योजना बनाई वह मजदूरों को पागल करने वाला है ।

पंजाब के लुधियाना अमृतसर तथा जालंधर वगैरह शहरों में लाखों बिहार तथा झारखंड के मजदूर फंसे रहे। वे दाने-दाने को मोहताज थे। पर राज्य के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह को तो राज्य में शराब की दूकानें खोलने की जल्दी पड़ी थी। वे पंजाबी टीवी चैनलों को दिए इंटरव्यू में शराब के ठेके खोलने पर पूरा ज्ञान बांट रहे थे। पंजाब को खेती में अभूतपूर्व सफलता बिहारी मजदूरों की खून-पसीने की वजह से ही मिली हैं। पर मजाल है कि अमरिंदर सिंह या उनके किसी मंत्री ने इन मेहनतकशों के लिए कभी दो शब्द बोले भी हों। ये प्रवासी मजदूर राशन तथा दवा की भारी किल्लत का सामना करते रहे। पर इनके हक में वहां पर कोई नहीं खड़ा हुआ। पंजाब सरकार यह न भूले कि कल्याणकारी लोकतांत्रिक व्यवस्था में भीषण आपदा काल में वंचित वर्ग की मदद करने का दायित्व स्थानीय सरकार का ही होता है। यह कोई अहसान नहीं होता। पर महलों में रहने वालों को मजदूर की चिंता कब होती है। अमरिंदर सिंह जी तो राजपरिवार में जन्में हैं । दिनभर मेहनत करके रात की रोटी का इंतजाम करने वालों की चिंता इन्हें कैसे होगी ।

गुजरात में तो सच में हद ही हो गई। वहां पर मजदूरों को पीटा गया। सूरत में लॉकडाउन के दौरान झोंपड़ियों में बंद मजदूर भूख से बेहाल होकर जब रोटी के जुगाड़ के लिए बाहर निकले तो पुलिस ने उनपर लाठियाँ बरसानी शुरू कर दीं। इतना अमानवीय व्यवहार अपने ही देश में मजदूरों के साथ हुआ। पुलिसिया एक्शन के बाद मजदूरों ने कई राजमार्गों पर उग्र विरोध किया। किसने सोचा था कि इन मेहनतकशों को यह दिन भी देखना पड़ेगा। बेशक भूख मनुष्य को बहुत साहसी बना देती है। अपने भूखे बच्चे का पेट भरने के लिए मजदूर भी जान पर खेल गए। गुजरात पुलिस की यह कार्यशैली बड़ी निर्ममतापूर्ण रही है । उनसे यह अपेक्षा तो नहीं की थी जबकि, वहां के पुलिस महानिदेशक स्वयं बिहार के मिथिलांचल के उन्हीं गावों से आते हैं जो पूरे देश को लाखों की संख्या में मजदूर भेजता है । अगर प्रवासी मजदूर यह ठान लें कि जिन राज्यों में इनके साथ दुर्व्यवहार हुआ है, वे उन राज्यों में वापस नहीं जायेंगे तो क्या होगा ।

सारे देश ने देखा कि प्रवासी मजदूर किन भारी किल्लतों को झेलने को मजबूर हुए। कितने अपने घरों की तरफ पैदल जाने के दौरान सड़कों पर गिरकर मर भी गए। खैर, मोदी सरकार ने अंततः मजदूर स्पेशल ट्रेनों को चलाने का फैसला किया है यह स्वागत योग्य है । यानी अब प्रवासी मजदूर अपने- अपने घरों को वापस चल जाएँगे। अब दूरदराज इलाके में फंसे ज्यादातर प्रवासी मजदूरों की वतन वापसी हो जाएगी। इसके बाद उन आंसू भरी दस्तानों में शायद कुछ कमी आए जो बीच रास्तों में खौफनाक मौतों से जुड़ी होती हैं। सचमुच जब यह जानने को मिलता है कि महाराष्ट्र से दस युवा मजदूर साइकिलों से अपने गांव के लिए निकले थे। वे करीब 350 किलोमीटर चल चुके थे। मध्यप्रदेश की सीमा में पहुंचे। तेज धूप और थकावट के चलते उनका एक साथी निढाल हुआ तो सब रुके। इलाज मिलने के पहले ही वो चल बसा। इसी तरह पंजाब से अलीगढ पैदल जाता एक मजदूर ग्रेटर नॉएडा में भूख और थकान से चल बसा । मुबई से कितने ही असहाय मजदूर साइकिलों पर उड़ीसा तक चल गए। जरा सोचिए कि इतने कठिन सफर के दौरान उन्हें कितने अवरोध और दिक्कतें आई होंगी। कितने ही स्थानों पर पुलिस ने लाठियां बरसाई होंगी । यह भी ठीक है कि रास्ते में ही कुछ लोगों ने इन गरीबों को भोजन और विश्राम का इंतजाम भी किया होगा । जहां प्रवासी मजदूरों को लेकर अधिकतर राज्यों का रुख पत्थर दिल रहा, वहीं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने साबित किया कि अब भी कुछ राज्यों की सरकारों का जमीर मरा नहीं है। योगी ने प्रवासी मजदूरों को सुरक्षित अपने घरों तक पहुंचाने के लिए सबसे पहले 10 हजार बसों की व्यवस्था करने का फैसला किया है। अन्य राज्यों से आने वाले मजदूरों की मेडिकल स्क्रीनिंग के लिए 50 हजार से अधिक मेडिकल टीमे लगाई जा रही हैं । रेल द्वारा मजदूरों की वापसी के लिए पहली पहल झारखण्ड के युवा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने की जो प्रशंसनीय है । **(लेखक वरिष्ठ संपादक,स्तभकार और पूर्व सांसद हैं।)**

वीर शहीद का पार्थिव शरीर पहुंचा उनके पैतृक गांव

शहीद जवान अश्वनी कुमार यादव की दी गयी अंतिम विदायी

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। 4 मई को जम्मू-कश्मीर के हंदवाड़ा में आतंकवादी हमले में शहिद तीन जवानों में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में तैनात गाजीपुर के नोनहरा थानान्तर्गत ग्राम चकदाउद उर्फ बभनौली, निवासी अश्वनी कुमार यादव का पार्थिव शरीर आज दिन बुधवार को लगभग 11 बजे उनके पैतृक गांव पहुंचा। जहां परिजनों के अलावा जिले के प्रशासनिक अधिकारियों सहित आस पास के हजारों हजार की संख्या में लोगों ने वीर जवान के शहादत को नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर शहिद के घर भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष कृष्ण बिहारी राय, पुर्व महामंत्री रामनरेश कुशवाहा, जिला महामंत्री प्रवीण कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष अच्छेलाल गुप्ता, जिला मीडिया प्रभारी शशिकांत शर्मा ने पुष्प चक्र अर्पित कर शहिद को श्रद्धांजलि अर्पित की। मौके पर ही जिला अधिकारी गाजीपुर ने प्रदेश सरकार की ओर से मुख्यमंत्री द्वारा प्रेषित संवेदना संदेश के साथ उप्र सरकार की ओर से शहिद परिवार को 50 लाख रुपए, परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी तथा गांव को जाने वाली रोड का नामकरण शहीद के नाम पर करने की घोषणा की।

प्रखर वाराणसी। कश्मीर के हंदवाड़ा में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में 92 बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के तीन जवान 4 मई 2020 को शहीद हो गए। इनमें एक जवान अश्वनी कुमार यादव जो जिला गाजीपुर के निवासी थे उनका पार्थिव शरीर पूरे सम्मान के साथ भारतीय वायुसेना के विशेष विमान द्वारा 6 मई बुधवार सुबह वाराणसी विमान पत्तन पर लाया गया। विमानपत्तन पर वाराणसी के स्थानीय प्रशासन जिसमें एसपी ग्रामीण शामिल थे शहीद को श्रद्धांजलि दी गई। 95 बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल द्वारा शहीद के पार्थिव शरीर को पूरे सम्मान के साथ गाजीपुर ले जाया गया। गाजीपुर में हजारों की तादाद में लोग शोक सभा में शामिल हुए। शहीद को श्री सुभाष चंद्रा, महा निरीक्षक, सेंट्रल सेक्टर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल लखनऊ, श्री दर्शन लाल गोला, रेंज डीआईजी चंदौली, श्री नरेंद्र पाल सिंह पीएम जी कमांडेंट 95 बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने शहीद को श्रद्धा सुमन अर्पित किया तथा उनकी शहादत को नमन करते हुए उनको अंतिम विदाई दी। इस समारोह में गाजीपुर के जिलाधीश एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा भी शहीद को श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया तथा उनके शहादत को नमन किया गया। 95 बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवानों द्वारा शहीद के सम्मान में अपने हथियार शोक मुद्रा में कर सलामी दी गई तथा उनकी शहादत को नमन किया गया।

मारपीट में घायल युवक की मौत

प्रखर केराकत, जौनपुर। जिले के केराकत कोतवाली क्षेत्र के पचवर डगरा में मारपीट में घायल युवक की मौत हो गयी। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और जांच पड़ताल में जुट गयी है। बताते हैं कि सिकन्दर सरोज 23 वर्ष पुत्र कन्हैया सरोज निवासी ग्राम पचवर शाम 7 बजे शौचालय के लिए पचवर डगरा खेत में गया। वापस आते समय पास में ही उत्तर की तरफ प्रकाश मौर्य की दुकान के समीप 6 से 7 लोगों ने घेरकर लाठी व धारदार हथियार से मारपीट कर गम्भीर घायल कर दिया। जिसे परिजनों व ग्रामीणों की मदद से एक निजी चिकित्सालय ले गए जहां उसकी प्राथमिक चिकित्सा कराते हुए वाराणसी ले जा रहे थे कि रास्ते में ही उनकी मृत्यु हो गयी। परिजनों ने बताया कि एक वर्ष पूर्व में भी मारपीट की घटना की गयी थी जिसमें मृतक का वाराणसी इलाज हुआ था। परिजनों ने प्रदीप सिंह पुत्र बेचन सिंह, राममूर्ति सरोज पुत्र राजेन्द्र, आलोक सरोज पुत्र सुदर्शन, नीरज पुत्र सुदर्शन सरोज, शालू पुत्र अच्छेलाल, अजय पुत्र सुदर्शन, विजय पुत्र राजनाथ के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज कराया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सूचना मिलने पर एसपी जौनपुर अशोक कुमार मौके पर परिजनों से पूछताछ की। उनके साथ केराकत क्षेत्राधिकारी, केराकत कोतवाल अपने मातहतों के साथ मौजूद रहे।

बिना किसी लक्षण के भी प्रवासियों को 21 दिन का होम क्वेरेंटाइन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। कोरोना वायरस के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए देश में किये गए लॉक डाउन के चलते प्रवासी मजदूर विभिन्न राज्यों में फंस गए थे। सरकार ने फंसे लोगों को वापस उनके घर तक पहुंचाने का काम कर रही है। इसके तहत अन्य राज्यों से बड़ी संख्या में प्रवासी कामगारों के लौटने का सिलसिला शुरू हो चुका है। उन लोगों द्वारा कोरोना संक्रमण न फैले इस बारे में प्रदेश के मुख्य सचिव राजेंद्र तिवारी ने सभी मंडलायुक्तों को जरूरी दिशा निर्देश दिए हैं। दिशा- निर्देश में कहा गया है कि प्रवासियों के आगमन के बाद जिला प्रशासन उनकी स्क्रीनिंग करेगा। इसके साथ ही प्रत्येक प्रवासी का पता एवं मोबाइल नम्बर सहित लाइन लिस्टिंग की जायेगी। स्क्रीनिंग में किसी प्रकार के लक्षण मिलने पर उन्हें फैसिलिटी क्वेरेंटाइन में रखा जायेगा तथा जाँच होगी। जाँच में संक्रमित मिलने पर अस्पताल में भर्ती करवाया जायेगा। लक्षण वाले जो व्यक्ति संक्रमित नहीं पाए जाते हैं, उन्हें फैसिलिटी क्वेरेंटाइन में रखकर दोबारा जांच होगी। एसीएमओ डॉ. उमेश कुमार ने बताया की सात दिनों के बाद भी वह संक्रमित नहीं पाया जाता है तो उसे अगले 14 दिन के लिए होम क्वेरेंटाइन में भेजा जाएगा। बिना लक्षण वाले व्यक्तियों को 21 दिन के होम क्वेरेंटाइन में भेजा जायेगा। ऐसे श्रमिकों/ कामगारों, जिनके घरों में होम क्वेरेंटाइन की व्यवस्था नहीं है उन्हें इंस्टीट्यूशनल क्वेरेंटाइन में रखा जायेगा। होम क्वेरेंटाइन की अवधि के दौरान उनके परिवार को यह सुनिश्चित करना होगा कि जहाँ तक संभव हो प्रवासी घर में अलग कमरे में रहे। साथ ही व मास्क, गमछे या दुपट्टे से मुंह को अवश्य ढंके। हाथों को साबुन व पानी से बार-बार धुलें। ऐसे घर में किसी भी अन्य व्यक्ति के प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। घर के किसी एक ही सदस्य को जरूरी सामान की खरीद फरोख्त के लिए घर से बाहर निकलने दिया जायेगा। बाहर जाने वाला व्यक्ति लौटने पर हाथों को साबुन व पानी से धुलेगा। अनिवार्य रूप से मास्क/गमछा/दुपट्टे से मुंह ढंकेगा और दो गज की दूरी से ही लोगों से मिलेगा। इसके लिए निगरानी समिति बनायी जाएगी जो यह सुनिश्चित करेगी कि परिवार के सभी सदस्यों को राजकीय सुविधाओं एवं राहत योजनाओं का लाभ मिलता रहे।

रिटायर्ड बाबू ने रोड पर मिट्टी डालकर रास्ते को किया अवरुद्ध

प्रखर खेतासराय जौनपुर। पोरईखुर्द निवासी एक रिटायर्ड बाबू ने रात के अंधेरे में सम्पर्क मार्ग पर दो दर्जन टाली मिट्टी डालकर रास्ते को ब्लॉक कर दिया।जिससे सैकड़ो लोगों को घूम कर आना पड़ता है।सूचना पर पहुँची पुलिस छानबीन की में जुटी है। गौरतलब है कि सन 1995 में तत्कालीन ब्लॉक प्रमुख रहे अनवर आलम ने गांव निवासी पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य व वरिष्ठ पत्रकार डॉ कुँवर यशवन्त सिंह ने के पहल पर उक्त गांव में राजभर बस्ती तक तीन लाख पचास हजार की लागत से 500 मीटर खडंजा लगवाया।आरोप है कि बीते रविवार की रात्रि रिटायर्ड बाबू कृपा शंकर मिश्र ने जेसीबी और ट्रैक्टर से 20 ट्राली से अधिक उक्त बातें मार्ग पर अपने घर के सामने मिट्टी गिरा दिया,जिस से उक्त मार्ग अवरुद्ध हो गया।

मनरेगा मजदूरों के चेहरे पर लौटी खुशियां

गरीब मजदूरों के लिए संजीवनी का काम रही हैं मनरेगा योजना:रमेश कुमार

संवाददाता विनोद कुमार

प्रखर केराकत जौनपुर। वैश्विक महामारी से देश भर में लॉकडाउन लगा हुआ हैं वही देश के हर कोने से पलायन जारी हैं ऐसे में सरकार अपने लोगो को सुरक्षित अपने घरों तक पहुचाने के साथ साथ उन्हें रोजगार देने के लिए हर सम्भव प्रयास कर रही और प्रदेश सरकार प्रदेश भर में मनरेगा योजना का कार्य करवा रही हैं जिलाधिकारी के आदेशानुसार जिले भर में तेजी से मनरेगा योजना का कार्य सुरु हो गया हैं। इसी कड़ी में केराकत तहसील अन्तर्गत सेनापुर गॉव में मनरेगा योजना के तहद बंधवा तालाब की खोदाई का कार्य किया जा रहा है। इस बाबत जब ग्राम प्रधान रमेश कुमार से बात की गई तो उन्होंने ने बताया कि एक समय था जब मनरेगा में काम करने वाले मजदूरों को ढूढ़ना पड़ता था क्योंकि शहरों की अपेक्षा मजदूरी कम होने के वजह से लोग काम करने के लिए तैयार नही होते थे पर आज लोगो के लिए संजीवनी का कार्य कर रही है मनरेगा योजना तरीबन 96 मजदूर काम कर रहे है काम करते समय सामाजिक दूरी का ख्याल रखा जा रहा है और हाथ धोने के लिए पानी व साबुन की भी व्यवस्था की गई हैं इस मौके पर उपस्थित मनरेगा तकनीकी विभाग से विनीत कुमार ,ग्राम विकास अधिकारी आसिफ अंसारी व ग्राम प्रधान के सहित मजदूरों में राजनाथ ,देवनाथ, त्रिलोकी वंशराज,साहिल कुमार,हवलदार,अनीता, मुरही,रोहित अंगनु, व अन्य मजदूर मौजूद रहे।

क्षेत्राधिकारी मड़ियाहूं विजय सिंह ने बरसठी के चैकीदारों को बांटा मास्क और साफा

प्रखर बरसठी जौनपुर। क्षेत्राधिकारी मड़ियाहूं विजय सिंह ने आज बरसठी थानाक्षेत्र के सभी ग्राम चौकीदारों को मास्क,साफा,और टार्च वितरित करते हुए उन्हें उनके कर्तव्यों के प्रति सचेत करते हुए कहा कि आज कोरोना जैसी महामारी में आप सब की जिम्मेदारी सबसे ज्यादा बढ़ गयी है।गांव में बाहर से आने वालों की सूचना तुरंत थाना पर दे यदि किसी भी कारण से थाना पर सूचित न कर पायें तो 112 नंबर की पुलिस को सूचना अवश्य दे।गांव में किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या उसका कार्य आपको संदिग्ध लगे तो तो उसकी भी सूचना अवश्य दे ।जिससे पुलिस उसपर नजर रख सके और कोई घटना होने से पहले उस व्यक्ति पर कार्यवाही की जा सके।कुल 57 चौकीदारों को मास्क ,साफा,और टार्च दी गयी।

उत्तर प्रदेश के इन 12 ग्रीन जोन जिलों में चलेंगी रोडवेज बसें

प्रखर वाराणसी। उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देश पर परिवहन निगम अब ग्रीन जोन जिलों में अपनी रोडवेज बस चलाएगा। रोडवेज बसें एक ग्रीन जोन से दूसरे ग्रीन जोन के बीच चलेंगी। बीच में कोई भी ऑरेन्ज या रेड जोन का जिला पड़ेगा तो वहां से न तो सवारियां ली जाएंगी और न ही वहां बसें रुकेंगी। बस को सैनिटाइज करके चलाया जाएगा। बसों में 26 से 30 तक यात्रियों को बिठाने की अनुमति होगी। चालक, परिचालक समेत सभी यात्रियों के लिए मास्क पहनना अनिवार्य होगा। चालक-परिचालक वर्दी में रहेंगे। ये रोडवेज बसें केन्द्र सरकार की गाइड लाइन के तहत 50 फीसदी की क्षमता के साथ चलेंगी। यात्री सोशल डिस्टैन्सिंग का पालन करते हुए बसों में बैठेंगे। अभी फिलहाल ग्रीन जोन के 12 जिलों में 500 बसें चलाने की योजना है। यह निर्देश परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक डॉ. राज शेखर ने मंगलवार को सभी क्षेत्रीय प्रबंधकों के साथ वीडियो कांफ्रेसिंग करके दिए हैं। उन्होंने बताया कि ग्रीन जोन के अंदर के जिलों में ये बसें कस्बे और तहसील मुख्यालय तक जाएंगी।

इन 12 जिलों में चलेंगी बसें – लखीमपुर-खारी, शाहजहांपुर, अम्बेडकरनगर, बलिया, चंदौली, चित्रकूट, फरुर्खाबाद, फतेहपुर, हमीरपुर, ललितपुर, सोनभद्र व अमेठी।

जौनपुर के इस गाँव मे स्वास्थ्य टीम ने किया कैम्प, सरहदे सील

प्रखर जौनपुर । सरायख्वाजा क्षेत्र के समोपुर गांव में कोरोना पाजीटिव मरीज मिलने के बाद मंगलवार को पीएचसी की टीम ने गांव में शिविर लगाकर 250 घरों का सर्वे किया। सभी को घरों में रहने की हिदायत ती और कहा कि बाहर से आने वालों की सूचना पुलिस या स्वास्थ्य विभाग को दी जाए। स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डा. विशाल सिंह यादव के नेतृत्व में स्वास्थ्य टीम मंगलवार को समोपुर गांव में पहुंची। स्वास्थ्य टीम ने गांव के 250 घरों में पहुंच कर लोगों को कोरोना के प्रति जागरूक किया। सभी से अपील किया कि यदि किसी सर्दी जुकाम की शिकायत किसी को होती है तो स्वास्थ्य केंद्र पर डाकर अपनी जांच जरूर करा लें। किसी के घर का सदस्य यदि परदेश से घर आता है तो उसकी जांच कराने के बाद ही गांव में आने दे। अन्यथा संक्रमण फैलने की संभावना बढ जाती है। लोग अपने घरों में रहकर अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा कर सकते हैं। डा. विशाल सिंह याजदव ने बताया कि स्वास्थ्य कर्मियों के साथ घर-घर जाकर परिवार के हर सदस्य को कोरोना से सावधान रहने की जानकारी दी। घरों में साफ-सफाई कराने के साथ परिवार में फिजिकल डिस्टेंसिंग बनाए रखने की अपील की गई। गांव में सफाई कराने का निर्देश दिया। स्वास्थ्य टीम में डा. विशाल सिंह यादव, दिलीप विश्वकर्मा के अलावा एएनएम शामिल थी।

ईद और अलविदा पर विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश

जौनपुर। मंडलायुक्त वाराणसी दीपक अग्रवाल, आईजी विजय सिंह मीना ने आशानंदपुर गांव से लौटने के बाद दोपहर एक बजे कलेक्ट्रेट सभागार में जिले के अफसरों के साथ बैठक की। बैठक में कोरोना के मद्देनजर रमजान, अलविदा और ईद के दौरान विशेष सतर्कता के निर्देश दिए। कमिश्रनर ने कहा कि अलविदा और ईद पर प्रशासन पहले भी तैयारी करता था लेकिन इस बार हालात दूसरे हैं। ऐसा प्रयास करें कि लोगों की भीड़ भी न जुटे और समुदाय के लोगों को बुरा भी न लगे। लोगों को भरोसे में लेकर ही कोरोना से जंग जीती जा सकती है। अफसरों ने लॉकडाउन का सख्ती से पालन कराए जाए जाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि शेल्टर होम, कम्युनिटी किचन की प्रतिदिन निगरानी की जाए। त्योहारों पर विवाद वाली जगहों का चिन्हित कर लें। त्यौहार के समय कोई कोई भी नई प्रथा न शुरू की जाये। सभी धर्म गुरुओं के साथ बैठक जरूर कर ली जाए। निगरानी समिति के द्वारा गांव में चोरी छुपे आ रहे लोगों की सूचना जिले स्तर पर बने कंट्रोल रूम में दी जाए । जिन लोगों को गांव में क्वॉरेंटाइन रखा गया है,वे क्वॉरेंटाइन का पालन कर रहे हैं कि नहीं, इसकी निगरानी भी की जाए। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर भी निगरानी रखी जाए , अगर कोई माहौल खराब करने की कोशिश कर रहा तो उसपर कार्रवाई की जाए। आयुक्त वाराणसी मंडल दीपक अग्रवाल एवं आईजी विजय सिंह मीना मंगलवार को एसपी व डीएम के साथ रामपुर थाना क्षेत्र के आशानंदपुर बिहरा गांव पहुंचे। अफसरों ने पीड़ित परिजनों को न्याय दिलाने का भरोसा दिया। आईजी ने परिजनों को अपना मोबाइल नंबर दिया और कहा कि अगर उन्हें कोई दिक्कत हो तो वे सीधे उनसे बात कर सकते हैं। रविवार को गांव मे दो समुदाय के बीच बकरी चराने को लेकर हुए विवाद में हुई मारपीट में सुल्तान की मौत हो गई थी। इसे लेकर गांव में तनाव है। पुलिस फोर्स गांव में तैनात है। अफसरों ने गांव के लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। कहा कि कानून अपना काम कर रहा है और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी।

वाराणसी पुलिस द्वारा सरेआम किया जा रहा है सोशल डिस्टेंसिंग का उलंघन

प्रखर वाराणसी। कोरोनावायरस से पूरी दुनिया परेशान हैं और तमाम कोशिशें कर रही हैं इससे निजात पाने की इसी क्रम में जिला प्रशासन वाराणसी भी तमाम कोशिश कर रही हैं लेकिन उनके मंसूबों पर पानी फिरता नजर आ रहा है जब कुछ ऐसे पुलिसकर्मी चौराहे पर नजर आए जिन्होंने मास्क तक नहीं लगाया था और ना ही सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते नजर आए। सोचने वाली बात यह है कि जब कानून का रखवाला ही कानून की धज्जियां इस तरह से सरेआम उड़ाएंगे तो आम जनता क्या करेंगे आपको बता दें कि वाराणसी में इस वक्त 23 हॉटस्पॉट है 58 एक्टिव केस के साथ ही साथ कुल 68 केस सामने आए यही नहीं जिला प्रशासन से भी एक सब इंस्पेक्टर 2 हेड कांस्टेबल 6 कांस्टेबल भी कोरोना से पीड़ित है इन सबके बाद यह तस्वीर सोचने पर मजबूर कर रही है कि क्या जिला प्रशासन वाकई में इसको लेकर गंभीर है ।

मोबाइल चोर को कचहरी चौकी प्रभारी दीनदयाल पाण्डेय ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

प्रखर वाराणसी। दो माह पूर्व चोरी हुए मोबाइल को आखिरकार वाराणसी पुलिस ने सर्विलांस/मुखबिर की मदद से ढूंढ निकाला और अज्ञात चोर को पकड़कर जेल भेज दिया। पकड़ा गया चोर आरोपी वीरेंद्र कुमार वर्मा ग्राम - हरदासपुर आयर बाजार चोलापुर निवासी द्वारा रखौना मिजार्मुराद निवासी अधिवक्ता मनोज दुबे का मोबाईल दीवानी कचहरी परिसर से दो माह पूर्व मोबाइल चोरी होने की सूचना कचहरी चौकी प्रभारी दीनदयाल पांडेय को दिया। तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था।

संक्षिप्त खबरें

भाजपा कार्यकताओं ने जरूरत मन्दो में बांटा राहत सामग्री

प्रखर कछवाँरोड वाराणसी। ग्रामसभा भुवाल पुर व खजुरी गांव के दिव्यांग जनो व निराश्रित विधवा व असहाय लोगों को 5-5 की संख्या में सोशल डिस्टेंसी का ध्यान में रखते हुए।भोजन सामग्री व किट जिसमे आटा, चावल,आलू,तेल,मसाला,नमक आदि सामानों का वितरण किया गया।वितरण करने वाले में भाजपा के मण्डल अध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार बिन्द के साथ मण्डल उपाध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार भारतीय मण्डल मंत्री अनिल पाण्डेय मण्डल कोषाध्यक्ष भानुप्रताप व रखौना सेक्टर संयोजक मिथुन कुमार,प्रतापपुर सेक्टर संयोजक डॉ भाईलाल राजभर आदि उपस्थित रहकर राहत सामग्री व खाद्यान्न वितरित कराया वही मंडल महामंत्री सतेन्द्र सिंह नागउर्मि ने बताया कि हम लोग असहाय गरीबों की निरंतर सेवा में लगे हैं।

क्वारन्टीन सेंटर से बिहार के मजदूर हुए घर को रवाना

प्रखर पिंडरा वाराणसी। गजोखर स्थित क्वारन्टीन सेंटर में रखे गए 153 बिहार के मजदूरों को 6 बसों के साथ उनके घर रवाना कर दिया गया। देर शाम निकले बस से निकले बिहारियों में खुशी की लहर दिखी। बताते चलें कि गजोखर स्थित क्वारन्टीन सेंटर में रखे लोगों ने घर जाने के लिए दो बार भूख हड़ताल पर जाने के साथ हंगामा खड़ा कर दिया था। घर भेजने के आश्वासन पर किसी तरह माने थे। उसी क्रम में बिहार सरकार के अधिकारियों से वार्ता बाद मंगलवार को देर शाम में बिहार के 153 मजदूरों को 6 बसों से रवाना किया । इस बाबत क्वारन्टीन प्रभारी/ एसडीएम न्यायिक एम एम वर्मा ने बताया कि धीरे धीरे मजदूरों को उनके घर भेजने का इंतजाम हो रहा है। आज बिहार के 153 मजदूरों को भेजा जा रहा है।

ओ पी कश्यप बने प्रदेश महासचिव

प्रखर वाराणसी। बनारस सामाजिक न्याय के लिए सदैव समर्पित और जरूरतमंद लोगों की सेवा में तत्पर खड़े रहने वाले कार्यकर्ता ओ पी कश्यप को अंतरराष्ट्रीय मानव अधिकार सामाजिक न्याय संगठन द्वारा प्रदेश महासचिव पद के लिए मनोनीत किया गया संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ राकेश मिश्रा द्वारा ओ पी कश्यप का मनोनयन किया। ओ पी कश्यप पूर्व में अंतरराष्ट्रीय मानव अधिकार सामाजिक न्याय संगठन के उत्तर प्रदेश के प्रदेश सचिव के पद पर रहकर समस्त उत्तर प्रदेश में उत्कृष्ट कार्य कर चुके है। पेशे से बिजनेस मैन मूलरूप से बनारस के निवासी है और पिछले कई वर्षों से मानव अधिकार व सामाजिक न्याय के क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रम व क्रियाकलापों में अपना योगदान करते रहे हैं। इसके अलावा अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार न्याय संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश मिश्रा,राष्ट्रीय सचिव शीतांशु पांडे, प्रदेश अध्यक्ष रजत द्विवेदी और प्रदेश उपाध्यक्ष सुनील सिंह ने ओ.पी कश्यप के उत्कृष्ट कार्य व नए कार्यभार की सराहना करते हुए शुभकामनाएं और बधाई दिए। इसी क्रम में कई सामाजिक संगठन युवा फाउडेंशन की राष्ट्रीय सचिव सीमा चौधरी,आदर्श युवा मंच के राष्ट्रीय सचिव धनराज गुप्ता,सारथी फाउडेंशन के राष्ट्रीय सचिव हरिनाथ सिंह और मानवाधिकार सी डब्लू ए के चेयरमैन योगेंद्र सिंह ने ओ पी कश्यप को फोन कर बधाई व शुभकामनाएं दिए।

47 लोगों की कोरोना जांच रिपोर्ट आई निगेटिव, स्वास्थ्य विभाग ने ली राहत की सांस

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जनपद से गोरखपुर बीआरडी कॉलेज भेजे गए जांच में से मंगलवार को 47 लोगों की रिपोर्ट आई, जिसमें सभी की रिपोर्ट नेगेटिव आने पर स्वास्थ्य विभाग ने राहत की सांस लिया है। एसीएमओ डॉ. उमेश कुमार ने बताया कि मंगलवार को भी 45 लोगों का स्वैब जांच के लिए कलेक्ट किया गया है, जिसे 6 अप्रैल बुद्धवार को गोरखपुर के बीआरडी कॉलेज को जांच हेतु भेजा जाएगा।

कर्मवीर सम्मान से पत्रकार, समाजसेवी एवं सफाई कर्मी हुये सम्मानित

प्रखर लखनऊ। आज श्री कृष्णा फाउंडेशन(समाज सेवी संस्था) ने कोरोना जैसी महामारी में अपने कर्तव्य का पालन करने वाले योद्धाओं को कर्मवीर सम्मान से नवाजा । संस्था के अध्यक्ष श्री पवन कुमार सोनी ने कहा कि कोरोना एक ऐसी महामारी है जिससे हर व्यक्ति डर गया है, एक दूसरे से मिलना ,हाँथ मिलाना, गले मिलना, पैर छूना सब खत्म करदिया है। लेकिन हमारे देश मे सूर वीरों, कर्मवीरों की कमी नही है। इस लिए इन शूरवीरो, कर्मवीरों, योद्धाओं का सम्मान करके इनके मनोबल को बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है। यह हम सबके लिए दिन-रात जनता की सेवा में लगे हैं। संस्था ने धारा सिंह चेयरमैन ग्रामीड पत्रकार कल्यानसमिति, ज्ञान सिंह एवं मनोज वर्मा सर्वहित मीडिया से, अश्विनी जैसवाल संपादक अपराधनामा, जुबैर अहमद द टाइम्स ऑफ लीजेंड, राहुल गुप्ता स्वतंत्रहित, कुमार नंदन पाठक बी.भारत न्यूज, अभिषेक श्रीवास्तव एवं रवि गुप्ता तरुनमित्र, समेत कई मीडिया बन्दुओ एवं प्रख्यात समाजसेवी श्री प्रमोद सिंह यादव समेत सफाई कर्मियों को माला पहनाकर, अंगवस्त्र देकर एवं कर्मवीर सम्मान सील्ड देकर सम्मानित किया। इस पहल में संस्था के अध्यक्ष पवन कुमार सोनी, सचिव शिवम सोनी, उपाध्यक्ष शशांक सोनी शामिल रहे।

मेडिकल रिप्रेजेन्टेटिव का दुकानों पर आना प्रतिबंधित

प्रखर जौनपुर। प्रतिष्ठिद्दत दवा संगठन सीसीडब्लूए ने प्रेस विज्ञिप्त के माध्यम से बताया है कि कोविड 19 के इस दौर में आप सभी अपनी व्यवसायिक सेवाओं के द्वारा उसके खिलाफ जंग में अपना सर्वश्रेष्ठद्द योगदान कर रहे हैं। यह देखा जा रहा है कि लाकडाउन 3 में जब सरकार द्वारा व्यवसायिक गतिविधियों के लिये सीमित छूट दी गयी है, हमारे संस्थानों पर दवा कंपनियों के प्रतिनिधियों का पहुंचना शुरू हो गया है, इनकी दुकानों पर मौजूदगी से लाकडाउन नियमों का उल्लंघन हो रहा है। अतः संगठन ने यह निर्णय लिया है कि लाकडाउन अवधि के दौरान इनका दुकानों पर आना प्रतिबंधित किया जाता है।

जनपद के सभी विद्यालय होगें फाइव स्टार-बीएसए वाराणसी

प्रखर वाराणसी। आज दिनांक 6 मई 2020 को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी वाराणसी श्री राकेश सिंह द्वारा जनपद के कुछ शिक्षकों की समीक्षा बैठक अपने कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रूप से जनपद के सभी विद्यालयों को फाइव स्टार रेटिंग में पहुंचाने के लक्ष्य पर चर्चा की गई जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी महोदय द्वारा उपस्थित सभी शिक्षकों को नवीन जारी शासनादेश की प्रति उपलब्ध कराते हुए यह निर्देश दिया गया कि सभी लोग अपने विद्यालय का मूल्यांकन करें व कमियों को दूर करने का प्रयास करें । इसमें कोई भी समस्या आती है तो वह व्यक्तिगत रूप से भी संपर्क कर अवगत करा सकते हैं। बैठक में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी महोदय द्वारा स्पष्ट निर्देश दिया गया की आगामी जुलाई में होने वाले सर्वेक्षण में जनपद के शत-प्रतिशत विद्यालयों को फाइव स्टार रेटिंग में लाना उनका मुख्य लक्ष्य है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी महोदय द्वारा निर्धारित प्रेरणा लक्ष्य प्राप्त करने के संबंध में भी दिशा निर्देश दिए गए। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी महोदय द्वारा ऑनलाइन शिक्षण व ऑनलाइन प्रवेश के संबंध में सभी शिक्षकों से जानकारी माँगी गई व इसमें आ रही कठिनाइयों के संबंध में सभी अध्यापकों से विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। कठिनाइयों को दूर करने के उपायों पर सुझाव भी लिया गया। बैठक में प्राथमिक विद्यालय भिटारी के रविंद्र कुमार सिंह,वेणु अग्रवाल ,संजय गुप्ता,ज्योत्सना अग्रवाल ,स्मृति प्रकाश, श्वेता राय, जफर अंसारी, पूर्वा विक्रम ,ममता देवी, जगदीश प्रताप आदि लोग प्रतिभाग किये।

अपनी आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए सरकार ने शराब की दुकाने खुलवाई, अन्य दुकानों पर पाबंदी क्यों

प्रखर बरईपार, सिकरारा जौनपुर। आज जिस तरह से कोरोना जैसी वैश्विक महामारी की चपेट में आकर पूरा देश जूझ रहा है।जिससे बचाने के लिए सरकार द्वारा तीसरे लॉक डाउन का चक्र चल रहा है।गांव से लेकर महानगरों तक सरकार के इस आदेश का पालन एक-एक नागरिक कर रहा है।फिर भी सरकार द्वारा जनमानस का ध्यान न देते हुए अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने के लिए शराब की दुकानों को खुलवा दिया।जिससे घर की गृहणियां परेशान हैं।क्योंकि जो शराबी व्यक्ति शराब की दुकान बंद होने की वजह से शराब न पीकर घर के लिए दाल रोटी की व्यवस्था करता था, लेकिन शराब की दुकान खुलते ही वह घर की व्यवस्था को छोड़कर अपनी व्यवस्था में जुट गया।सरकार के इस फरमान से घर की गृहणियां परेशान है।इसके अलावा चाय बेचने वाले,पान बेचने वाले,नास्ता समोसा व मिठाई के दुकानदार नाराजगी जाहिर करते हुए यह कहना शुरू कर दिए हैं कि सरकार अपनी अर्थव्यवस्था सुधारने के लिए शराब की दुकानों को खुलवा दिया।क्या हम लोगों की दुकानें शराब से खराब है।हम लोगों की आर्थिक स्थिति दिन-प्रतिदिन खराब होती चली जा रही है,जिसका हाल चाल लेने वाला कोई नहीं है।शराब की दुकानों पर इतनी भीड़ लग जाती है कि लोग खुलेआम सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़ा रहे हैं।शराब की दुकानों के खुलने का समय भी रोजमर्रा के जरूरी दुकानों की अपेक्षा समय सारणी से दो घंटे अधिक रखी गई है।अब सवाल उठता है कि लॉक डाउन के आज 42 दिन पूरे हो गए।लेकिन देश में कोरोना का कोहराम कम होने के बजाय बढ़ता ही जा रहा है।ऐसे में रोजमर्रा की जिंदगी जीने वालों के सामने विकट चुनौती है,फिर भी वह लोग सरकार के आह्वाहन पर लॉक डाउन में पूरा सहयोग दे रहे हैं।सवाल अब यह उठता है कि क्या उन्हें इस संकट काल में अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने की जरूरत नहीं है। सरकार को शायद यह नही लगता कि उसके इस आदेश से लोगों की आर्थिक व्यवस्था और बिगड़ेगी,और इसके अलावा जो लोग मधुशालाओं की दुकानों पर अव्यवस्था के माहौल में उमड़ रहे हैं इससे कही न कही कोरोना संक्रमण का खतरा भी बढ़ सकता है।

अनुपस्थित मिलने पर तकनीकी सहायक के खिलाफ हुई कार्यवाही

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा ग्राम सभा के चमरू में चल रहे मनरेगा के तहत तालाब खुदाई का निरीक्षण करने बुधवार को बीडीओ पिंडरा मौके पर पहुचे। काम के दौरान तकनीकी सहायक के अनुपस्थित मिलने व काम की नापी न होने पर उसके विरुद्ध कार्रवाई करने का निर्देश दिया। बुधवार को बीडीओ वीके जायसवाल दोपहर में चमरू ग्राम सभा पहुचे जहा मनरेगा के तहत तालाब खुदाई के दौरान सोशल डिस्टेंसी का अभाव दिखा और काम बिना नापी किये कराया जा रहा है। वही मौके पर तकनीकी सहायक अशोक पाठक के अनुपस्थित मिलने पर उसके खिलाफ कार्यवाही का निर्देश दिया। इस बाबत बीडीओ ने बताया कि 85 मनरेगा मजदूर काम करते मिले लेकिन मौके पर तैनात तकनीकी सहायक नही मिला जबकि नापी के साथ सोशल डिस्टेंसी का पालन कराना था। कार्य स्थल पर मजदूर मास्क लगाए मिले। बीडीओ ने उसके बाद गंगापुर में बन रहे नाले का निरीक्षण किया जहा आउटलेट व सोशल डिस्टेंसी सही न मिलने पर तकनीकी सहायक को आवश्यक निर्देश दिया। उन्होंने बताया कि विकास खण्ड के 104 ग्राम पंचायतों में मनरेगा के तहत काम चल रहा है। विकास खण्ड के सभी 65 रोजगार सेवक को सेनेटाइजर व कार्यरत 4800 मनरेगा मजदूरों को मास्क उपलब्ध करा दिया गया है।

बीडीओ ने तालाब व नाली निर्माण का किया निरीक्षण

वैश्विक महामारी मे तड़पती धूप मे निष्ठा पूर्वक कर्तव्य का निर्वहन करती दिखी वाराणसी पुलिस प्रशासन

प्रखर कछवाँरोड वाराणसी। मिजार्मुराद थाना अंतर्गत, जनपद भदोही - वाराणसी बॉर्डर पर मिजार्मुराद पुलिस(वाराणसी) अपने कर्तव्यों को पूर्ण रूप से, निष्ठा भाव से, इस तड़पती धूप में निभा रहे हैं

वहीं एस.आई. राजेश मिश्रा ने बताया कि हम सभी अपने उच्चाधिकारियों के निदेर्शों का पूर्णतया पालन करते हुए अपनी ड्यूटी बखूबी निभा रहे हैं और बॉर्डर पर सभी गाड़ियों को सक्रियता पूर्वक चेक करके ही वाराणसी जिले में प्रवेश करा रहे हैं यस.आई.राजेश मिश्रा ने बताया की वैश्विक महामारी के कारण व लॉक डाउन की वजह से यातायात बहुत प्रभावित हैं। रोड पर गाड़ियां बहुत कम दिखाई पड़ रही हैं वही जनता भी कोरोना वायरस से डरी सहमी हुई है।

कोरोना: संग्रह अनुसेवक नें पीएम केयर्स फंड में दिए 25 हजार रुपए

प्रखर मड़ियाहू, जौनपुर। कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण से पूरी दुनिया परेशान है। भारत में भी पॉजिटिव मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर कोरोना राहत के लिए बनाए गए पीए केयर्स में लोग लगातार दान कर रहे हैं। कोरोना से जंग में मड़ियाहूं तहसील के संग्रह अनुसेवक बसंत लाल पटेल अपने निजी खाते से 25 हजार रुपए इस फंड में दान दिए हैं। मड़ियाहूं उपजिलाधिकारी कौशलेश कुमार मिश्र नें आभार जताया. कहा ऐसे मौके पर देश हित में संग्रह अनुसेवक ने सराहनीय कार्य किया है। सोशल डिस्टेंस का पालन करते हुए एकराम बडे बाबू, फजजूल कबीर, प्रेमशंकर दुबे, विजय पटेल आदि ने उपजिलाधिकारी मिल कर जमा धनराशि का रसीद दिया।

एलबम दिलजानिया का जबरदस्त आगाज

प्रखर दिल्ली (**पुनीत गोस्वामी**)। परिवंश फिल्म्स ने हाल ही में अपनी नई एलबम दिलजानिया रिलीज की है. शिल्पी सक्सेना द्वारा लिखा व गाया गया यह गाना पहले ही सभी म्यूजिक प्लेटफार्म जैसे विंक सावन हंगामा व गाना आदि पर धमाल मचा चुका है और 25 अप्रैल से इसकी वीडियो भी यूंट्यूब पर उपलब्ध हो गई हैं और दर्शकों द्वारा काफी सराही भी जा रही है. दिलजानिया एलबम में एक सैनिक की कहानी को दशार्या गया है तथा इसका निर्देशन शिल्पी सक्सेना ने किया है. दिलजानिया के निमार्ता गौरव श्रीवास्तव व सह निमार्ता पुनीत गोस्वामी है. दिलजानिया के मुख्य किरदार शिल्पी सक्सेना, निकिता श्रीवास्तव, गौरव श्रीवास्तव व संतोष याग्निक है.

संतोष याग्निक पहले भी फि ल्म लुक्का छुपी व टीवी सीरियल गुड़िया हमारी सब पर भारी में अपने कॉमेडी से दर्शकों को लुभा चुके है, परन्तु इस बार वह एक निगेटिव किरदार में नजर आयेंगे, दिलजानिया की शूटिंग जौनपुर तथा प्रयागराज में संपन्न हुई है इसमें म्यूजिक गौरव श्रीवास्तव ने दिया है तथा इसके म्यूजिक अरेंजर अमन कुमार है. जल्द ही परीवंश फिल्म्स की कई और एलबम जैसे करके बहाना, जालिमा, दम बिरयानी, कशिश आदि रिलीज होने वाली है।

टीनशेड में बिजली का तार ठीक करते समय करेंट से युवक की मौत

प्रखर रामपुर जौनपुर। रामपुर थाना क्षेत्र के प्रसाद पेट्रोल पंप के पास बुधवार की सुबह 5 बजे टीनशेड में बिजली का तार ठीक करते समय करेंट लगने से 16 वर्षीय युवक की मौत हो गई। बताया जाता है कि फैज अहमद उर्फ डब्बू पुत्र हफीज बुधवार को अपने घर पर टीनशेड में बिजली का तार ठीक कर रहा था कि उसकी छत के एंगल मे करेन्ट उतर गई जिससे वह उसकी चपेट में आ गया। परिजनों ने उसे उठाकर उपचार हेतु ले गये, जहाँ पर डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक घर के पास ही साइकिल बनाने का कार्य करके अपने परिवार का जीविकोपार्जन करता था। उसकी मौत से परिजनों में कोहराम मच गया और पड़ोसी गम में डूब गए।

धात्री माताएँ बिल्कुल न घबराएं शिशुओं को स्तनपान अवश्य कराएं

प्रखर वाराणसी। कोरोना वायरस से बढ़ते संक्रामण से हर कोई जूझ रहा है जिसके कारण लॉकडाउन की स्थिति बनी हुई है। ऐसे में स्वास्थ्य का विशेष ख्याल रखने की आवश्यकता है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग पोस्टर के माध्यम से विभिन्न स्वास्थ्य मुद्दों पर समुदाय को जागरूक कर रहा है। वहीं दूसरी ओर सीधे समुदाय से जुड़ी आशा-आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मातृत्व एवं शिशु के बेहतर स्वास्थ्य के लिए उचित परामर्श दे रही हैं। साथ ही आंगनबाड़ी कार्यकताओं ने लॉकडाउन के दौरान पूरी सूझ-बूझ के साथ कोरोना योद्धा बनकर घर-घर जाकर पुष्टाहार पहुंचा रही हैं। इसके अतिरिक्त धात्री या दो वर्ष तक के बच्चों की देखभाल के लिए गृह भ्रमण के दौरान स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी सलाह दे रही हैं। कोरोना वायरस के दौरान धात्री माताओं को वायरस से लड़ने और इस दौरान स्तनपान जारी रखने की सलाह भी दे रही हैं। आशा आंगनबाड़ी बहनों ने स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए मास्क बना कर सर्वे क्षेत्र में गरीब माताओं को मास्क देने और मास्क लगाकर स्तनपान करने का परामर्श दे रही है।

एसएसपीजी मण्डलीय जिला चिकित्सालय की बाल रोग विशेषज्ञ डॉ मृदुला मल्लिक ने कहा कि शिशु के आरंभिक विकास के लिये मां का दूध अमृत है और यह शिशु को किसी भी बीमारी से लड़ने की क्षमता देता है। वायरस के चलते मां को सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

आशा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता जब हों साथ, तो घबराने की क्या बात

स्तनपान कराने वाली माताओं को अपने स्तनों और अपने स्वयं के हाथों को साबुन से कम से कम 40 सेकंड तक साफ करने और मास्क लगाकर ही बच्चों को स्तनपान कराना चाहिए। साथ ही धात्री माताओं को स्तनपान के पहले साफ और धुले कपडे पहनें। शिशु को लिटाये और आसपास की जगह को नियमित रूप से कीटाणुरहित रखनें के लिये पोछा लगायें।

आशा-आंगनबाड़ी कार्यकर्ता समुदाय में स्वास्थ्य एवं पोषण देखभाल के उचित परामर्श दे रही हैं जो इस प्रकार है,

धात्री माताएँ दैनिक भोजन में पोषक तत्वों से भरपूर पौष्टिक आहार खाने से रोगों से लड़ने हेतु रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

सावधानियों का पालन करके माँ अपने शिशु को स्तनपान करा सकती हैं।

कुपोषित व अतिकुपोषित बच्चे को अधिक देखभाल और अधिक पोषण की आवश्यकता है।

गर्भावस्था के दौरान या फिर जन्म के बाद बच्चे के स्वास्थ्य में कोई समस्या उत्पन्न होने न हो, इसके लिए आशा, एएनएम दीदी तुरंत फोन करने की सलाह।

परिवार के सभी छोटे बड़े सदस्यों को हर बार खाना पकाने, खाना खाने और शौचालय से आने बाद 40 सेकंड तक हाथों को साबुन से धोयें। मास्क का प्रयोग अवश्य करें।

जम्मू एंड कश्मीर हंदवाड़ा में आतंकियों के साथ मुठभेड़ में शहीद हुए वीर जवानों को 2 मिनट का मौन रखकर शोक सभा व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि दी गई

प्रखर रामनगर वाराणसी। लाक डाउन का पालन करने पर भाजपा सभासद ने अपने जनता पर पुष्प वर्षा कर हौसले को बढ़ाया।आज दिनांक 6 मई 2020 को वैश्विक महामारी कोरोना वायरस को देखते हुए लाक डाउन के दौरान भाजपा सभासद संतोष शर्मा एवं पूर्व सभासद कुसुम लता शर्मा ने वार्ड नंबर 19 के सम्मानित जनता के द्वारा बड़े सहजता पूर्वक धैर्य रखते हुए केंद्र एवं राज्य सरकार के दिशा निदेर्शों का पालन करते हुए इतने दिनों के लाक डाउन का पालन करते हुए अपने अपने घरों में रहते हुए कोरोना वायरस के प्रति लड़ाई लड़ रहे सम्मानित जनता पर पुष्प वर्षा कर मास्क और सेनेटाइजर वितरण कर उनके हौसले को बढ़ाया। भाजपा सभासद ने लोगों से आग्रह करते हुए कहा कि अभी हम सभी को कोरोना वायरस के खिलाफ लंबी लड़ाई लड़ने के लिए तैयार रहना पड़ेगा क्योंकि वैश्विक महामारी को भगाना है तो दृढ़ संकल्प के साथ एकजुट रहना पड़ेगा।वरिष्ठ नागरिक द्वारिका नाथ त्रिपाठी सच्चिदानंद उपाध्याय संजय वाल्मीकि मुकेश उपाध्याय कंचन साहनी।

संक्षिप्त खबरें

प्राथमिक व जूनियर हाई स्कूल विद्यालय कल्याण एसोसिएशन ने बीएसए वाराणसी को सौंपा 51 हजार का चेक

प्रखर वाराणसी। वैश्विक महामारी कोरोना पूरी दुनिया में अपने पांव पसार चुकी है। मौत का आंकड़ा दिनों दिन बढ़ता जा रहा है। वही भारत में भी संख्या 50000 के पार पहुंचने वाली है। लेकिन सहयोग करने वाले लोग अपना सहयोग कोविड-19 राहत कोष में देने का सिलसिला जारी है। बुधवार को प्राथमिक व जूनियर हाई स्कूल विद्यालय कल्याण एसोसिएशन वाराणसी ने बीएसए वाराणसी राकेश सिंह के द्वारा जिलाधिकारी वाराणसी को कोविड-19 प्रधानमंत्री राहत कोष में 51 हजार का योगदान दिया। उक्त अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राकेश सिंह वाराणसी के अतिरिक्त एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल गुप्ता महामंत्री मातादिहल एडवोकेट , उपाध्यक्ष श्री पांडे रविकांत, कोषाध्यक्ष अजय गुप्ता, उप सचिव दीपक कुमार एडवोकेट आदि लोग उपस्थित रहे।

प्रवासियों को भोजन करा रहे हैं जीपीएल परिवार के युवा

प्रखर वाराणासी। रोहनिया मे बुधवार को जिला प्रशासन के आदेशों का पालन करते हुए गरीबो और प्रवासियों के बने हमदर्द जीपीएल परिवार के सदस्य और युवा समाजसेवी निखिल सिंह की अगुवाई में पैदल अपने घरों को पलायन कर रहे लोगों को जगतपुर डिग्री कॉलेज के समीप जीपीएल परिवार की ओर से भोजन की व्यवस्था रविवार से चलाई जा रही है। यहां अब तक सैकड़ों लोगों से ज्यादा लोगो को भोजन कराया जा चुका है। इसके के साथ गांव गांव में जाकर अत्यंत गरीब और जरूरतमंद लोगो में सूखा राशन पैकेट का वितरण लगातार किया जा रहा है।

गौ माता की सेवा करने की ह्रदयपुर गांव के बच्चों ने ली शपथ

प्रखर वाराणसी। 6मई को ह्रदयपुर गांव मे पुनः गौ माता का उपचार किया गया` ह्रदयपुर गांव के सभी बच्चों ने यह संकल्प लिया है कि लाकडाउन के इस संकट की घड़ी में सभी लोग जंतुओं जानवरों की सेवा करेंगे चारा पानी सहित अन्य सारी चीज मुहैया कराएंगे गांव के बच्चों ने कहा की हमारा जो धर्म और कर्म होगा हम खुद करेंगे आने वाले बच्चों में एक नई उमंग और सोच भर देंगे जिनसे वह ऐसे कार्य को करने के लिए सदा प्रेरित रहे दुख बांटने से दुख दूर होता है वाकई यह सच्ची बात कही गई ना बड़ा सुकून और आनंद आता है` किसान न्याय मोर्चा खोजी दस्ता सुशील पटेल व उनके तमाम साथीगण अजय पटेल,धीरज पटेल, किशन पटेल, मोहित पटेल, संजीव पटेल, लकी सहित अन्य सभी साथियों का लाकडाउन में यही संकल्प है जितने भी जानवरों को चोट चपेट लगी होगी हम उनको ढूंढ ढूंढ कर उनका इलाज करेंगे।

राजू सिंह माही और सोनालिका प्रसाद का पहला रैप सांग "जिंदगी झंड बा फिर भी घमंड बा" की मची धूम, गाना हुआ वायरल

प्रखर वाराणसी। भोजपुरी सिनेमा के भोजपुरिया सुल्तान कहे जाने वाले सिनेस्टार राजू सिंह माही और सिनेतारिका सोनालिका प्रसाद दोनों की जुगलबंदी में पहली बार गाया हुआ रैप सांग हुआ रिलीज, जिसके बोल हैं "जिंदगी झंड बा फिर भी घमंड बा"। यह गाना सोशल मीडिया में काफी वायरल रहा है। हर कोई इस गाने की तारीफ करते नजर आ रहा है। बता दें कि जैसे ही इस गाने को वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी म्यूजिक कंपनी के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया, वैसे ही इसके नाम पर तेजी से वायरल होने लगा। गौरतलब है कि यह गाना मेगास्टार रवि किशन के वर्ल्ड फेमस डायलॉग 'जिंदगी झंड बा फिर भी घमंड बा' पर आधारित रैप सांग है। जो बेहद ही कर्णप्रिय है। गाने रिलीज होते ही इस गाने को अच्छा रिस्पांस मिलने लगा और लोगो के कमेंट भी काफी तादाद में आने लगे। लोगो ने कमेंट का जरिये बताया की गाना बेहद ही अच्छा है। गाने में अपनी मधुर आवाज दिया एक्टर से सिंगर बने राजू सिंह माही और उनका साथ दी हैं एक्ट्रेस से सिंगर बनी सोनालिका प्रसाद ने। इस गाने को लिखा है गीतकार आशुतोष तिवारी ने और मधुर संगीत से सजाया है संगीतकार अनुज तिवारी ने। यह रैप सांग देखने और सुनने में बेहद अच्छा लग रहा है। गाने में खुद राजू सिंह माही और सोनालिका प्रसाद ने परफॉर्म किया है। उनकी परफारमेंस काफी धमाकेदार है और गाना काफी रिच बन पड़ा है। सुनने में ऐसा नहीं लग रहा है कि उन्होंने पहली बार गाना गाया है। यह गाना जितनी बार सुना जाय, उतना ही कम होगा। घर बैठे लोगों का यह गाना खूब मनोरंजन करने वाला है।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोड: 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालय: 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोड: 233001
सम्पर्क सूत्र: 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं